BSTC PTET MCQ - 8

Rajasthan History Mcq 2025

☛ भारत में एक संगठित किसान आंदोलन की शुरूआत का श्रेय जाता है जो सबसे लंबा चला–
(1) बेगूं किसान आंदोलन
(2) नीमूचणा किसान आंदोलन
(3) बिजौलिया किसान आंदोलन
(4) सीकर किसान आंदोलन (3)

व्याख्या–बिजौलिया किसान आंदोलन 1897-1941 तक चला। इसे भारत का पहला अहिंसात्मक किसान आंदोलन माना जाता है। यह राजस्थान का प्रथम संगठित किसान आंदोलन था।

☛ बिजौलिया किसान आंदोलन कितने वर्ष तक चला?
(1) 45 वर्ष (2) 44 वर्ष
(3) 46 वर्ष (4) 47 वर्ष (2)

व्याख्या–बिजौलिया किसान आंदोलन 1897 से 1941 (44 वर्ष) तक चला।

☛ बिजौलिया वर्तमान में किस जिले में है?
(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ़
(3) भीलवाड़ा (4) सिरोही (3)

व्याख्या–बिजौलिया वर्तमान में भीलवाड़ा जिले में है। बिजौलिया ठिकाने के संस्थापक अशोक परमार थे। कर्नल टॉड के अनुसार बिजौलिया का शुद्ध नाम विजयावल्ली था।

☛ बिजौलिया वर्तमान में भीलवाड़ा जिले में है, जो तत्कालीन मेवाड़ रियासत का ठिकाना था, यहां किस जाति के किसानों द्वारा आन्दोलन किया गया?
(1) धाकड़ जाति (2) जाट जाति
(3) माली जाति (4) कंजर जाति (1)

☛ बिजौलिया किसान आंदोलन कितने चरणों में हुआ?
(1) 2 चरणों में (2) 3 चरणों में
(3) 4 चरणों में (4) 5 चरणों में (2)

व्याख्या–बिजौलिया किसान आंदोलन 3 चरणों में 1897 से 1941 तक चला।
1. प्रथम चरण 1897 से 1914 तक
2. द्वितीय चरण 1914 से 1923 तक
3. तृतीय चरण 1923 से 1941 तक

☛ 1897 ई. में किस जागीरदार के समय बिजौलिया की जनता से 84 प्रकार की लागतें ली जाती थी?
(1) राव कृष्ण सिंह (2) राव पृथ्वी सिंह
(3) साधु सीताराम (4) राव फतहकरण (1)

व्याख्या–1897 ई. में राव कृष्ण सिंह के समय बिजौलिया की जनता से 84 प्रकार की लागतें ली जाती थी। अत: किसानों के प्रतिनिधि नानजी और ठाकरी पटेल ने मेवाड़ महाराणा से इसकी शिकायत की। इससे नाराज राव कृष्ण सिंह ने कुछ समय पश्चात चंवरी कर लगा दिया। 1903 में बिजौलिया के ठाकुर कृष्ण सिंह (किशन सिंह) ने किसानों पर चँवरी नामक नया कर लगा दिया। इसके अंतर्गत किसानों को अपनी लड़की के विवाह पर 5/- रुपये ठिकाने में जमा कराने पड़ते थे।

☛ बिजौलिया की जनता पर 'तलवार बंधाई' की लागत किस जागीरदार ने लगाई–
(1) राव कृष्ण सिंह (2) राव पृथ्वी सिंह
(3) राव फतहकरण (4) राव तिलोक सिंह (2)

व्याख्या–1906 में पृथ्वी सिंह ने बिजौलिया के जमींदार बनने पर जनता पर 'तलवार बंधाई' कर लगाया। तलवार बंधाई कर एक (उत्तराधिकारी) शुल्क है।

☛ उपरमाल पंच बोर्ड की स्थापना किसने व कब की–
(1) 1917 में विजयसिंह पथिक
(2) 1911 में राव फतहसिंह करण
(3) 1912 में ब्रह्मदेव
(4) 1918 में साधु सीताराम (1)

व्याख्या–विजय सिंह पथिक ने 1917 में उपरमाल पंच बोर्ड (बिजौलिया किसान पंचायत) की स्थापना की और श्री मन्ना पटेल को इसका सरपंच बनाया।

☛ बिजौलिया किसान आंदोलन के तीसरे चरण का नेतृत्व किसने किया?
(1) माणिक्यलाल वर्मा (2) जमनालाल बजाज
(3) विजयसिंह पथिक (4) साधु सीताराम (2)

व्याख्या–तीसरे चरण में जमनालाल बजाज ने नेतृत्व संभाला एवं हरिभाऊ उपाध्याय को नियुक्त कर दिया। माणिक्यलाल वर्मा ने अपने 'पंछीड़ा' गीत से किसानों में जोश भर दिया। बिजौलिया किसान आंदोलन के द्वितीय चरण का नेतृत्व माणिक्यलाल वर्मा ने किया।

☛ **अंजना देवी, रमादेवी, नारायणी देवी वर्मा जैसी महिला नेत्रियों का संबंध किस किसान आंदोलन से रहा?**

(1) बिजौलिया किसान आंदोलन
(2) बेगूं किसान आंदोलन
(3) निमूचणा किसान आंदोलन
(4) अलवर किसान आंदोलन (1)

व्याख्या–अजंना देवी राजस्थान की पहली महिला थी जिन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। रमादेवी ऐसी महिला है जिसने बिजौलिया किसान आंदोलन में भाग लिया और उसे गिरफ्तार किया गया तथा 1930 के सत्याग्रह और 1932 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया और जेल गई।

☛ **1921 ई. में शुरू हुए बेंगू किसान आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया?**

(1) विजय सिंह पथिक
(2) नयनूराम शर्मा
(3) रामनारायण चौधरी
(4) माणिक्यलाल वर्मा (3)

व्याख्या–बेगूँ किसान आंदोलन चित्तौड़गढ़ में सन् 1921 में आरंभ हुआ। इसकी शुरूआत बेगार प्रथा के विरोध के रूप में हुई थी। आंदोलन की शुरूआत रामनारायण चौधरी ने की। बाद में इसकी बागडोर विजय सिंह पथिक ने संभाली थी।

☛ **ट्रेन्च कमीशन किस किसान आन्दोलन से संबंधित है?**

(1) बिजौलिया किसान आंदोलन
(2) बेगूं किसान आंदोलन
(3) निमूचणा किसान आंदोलन
(4) सीकर किसान आंदोलन (2)

☛ **रेवेन्यू कमीशनर ट्रेंच ने किस गांव में एकत्र किसानों पर गोलियां चलाने व गांवों को जलाने का आदेश दिया था?**

(1) कोठरिया (2) मेनाल
(3) गोविन्दपुरा (4) डाबड़ा (3)

व्याख्या–बेंगू किसान आन्दोलन के सामने प्रशासन को झुकना पड़ा व 53 में से 34 लागतें समाप्त कर दी गई व बेगार पर रोक लगाई गई।

परीक्षा दृष्टि

★ बिजौलिया आंदोलन का दूसरी बार प्रारम्भ होने का कारण था– **– चंवरी कर**

★ राजस्थान में स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान 1921-22 में भील आंदोलन का नेतृत्व किया था– **– मोतीलाल तेजावत**

★ विजयसिंह पथिक ने किस आंदोलन का नेतृत्व किया– **– बिजौलिया किसान आंदोलन**

★ 1927 ई. में कुँवर मदनसिंह के नेतृत्व में किसानों ने कहाँ आंदोलन किया। **– करौली**

★ राजस्थान में एकी आंदोलन का सूत्रपात किसने किया– **– मोतीलाल तेजावत**

★ किस वर्ष नीमूचाणा (अलवर) में दुखान्त घटना हुई थी– **– 1925 ई.**

★ ट्रेंच कमीशन संबंधित है– **– बेगूं किसान आंदोलन से**

★ 22 जून, 1908 ई. को चित्तौड़गढ़ में राशमी परगना स्थित मातृकुण्डिया नामक स्थान पर कौनसा किसान आंदोलन प्रारम्भ हुआ– **– एकी आंदोलन**

★ राजस्थान का प्रथम किसान आंदोलन कौनसा था– **बिजौलिया**

★ भील एवं गरासियों को एकत्रित करने सम्प सभा की स्थापना किसने की– **– गोविन्द गिरि**

★ मेवाड़, वागड़ और आस-पास के क्षेत्रों में सामाजिक सुधार के लिए 'लसाड़िया आंदोलन' का सूत्रपात किसने किया – **गोविन्द गिरि**

★ राजस्थान का 'जलियावालां बाग' का नाम से प्रख्यात स्थान मानगढ़ धाम किस जिले में है– **– बाँसवाड़ा**

★ भीलों ने मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में कौनसा आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसका प्रमुख उद्देश्य भारी लगान और बेगार से भील कृषकों को मुक्त करवाना था **– एकी आंदोलन**

☛ **रूपाजी व कृपाजी धाकड़ किस किसान आंदोलन के दौरान शहीद हुए–**

(1) बेगूं किसान आंदोलन
(2) बिजौलिया किसान आंदोलन
(3) निमूचणा किसान आंदोलन
(4) सीकर किसान आंदोलन (1)

व्याख्या–बेगूं किसान आंदोलन को बोल्शेविक समझौते की संज्ञा दी गई।

☛ **बूँदी किसान आंदोलन कब हुआ?**

(1) 1926 (2) 1948
(3) 1916 (4) 1920 (1)

व्याख्या–बूँदी किसान आंदोलन 1926 ई. में हुआ। इसे बरड़ किसान आंदोलन भी कहा जाता है।

☛ **नयनूराम, रामनारायण चौधरी एवं हरिभाई किंकर के नेतृत्व मे बूंदी किसान आन्दोलन कब शुरू हुआ ?**

(1) बिजौलिया किसान आंदोलन
(2) बूँदी किसान आंदोलन
(3) बेगूँ किसान आंदोलन
(4) अलवर किसान आंदोलन (2)

व्याख्या–नानकजी भील बूँदी किसान आंदोलन से जुड़े थे।

- 2 अप्रेल, 1923 को नानकजी भील ने डाबी में एक सभा में झंडा फहराया और झंडा गीत गाया।
- 2 अप्रेल, 1923 ई. को डाबी गाँव में किसानों की एक सभा हुई। सभा में एकत्रित किसानों की भीड़ पर पुलिस ने निष्ठुरता से लाठी प्रकार किया तथा गोलियाँ चलाई जिसके परिणामस्वरूप नानक भील और देवीलाल गुर्जर शहीद हुए।

☛ **1926 ई. में शुरू हुए बूंदी किसान आन्दोलन की मांगे बूंदी राज्य सरकार ने कब मानी ?**

(1) 1941 ई. (2) 1942 ई.
(3) 1943 ई. (4) 1944 ई. (3)

व्याख्या–बूंदी राज्य सरकार ने 1943 ई. में किसानों की मांगे स्वीकार करने पर आंदोलन की समाप्ति हुई।

☛ **नीमूचणा हत्याकाण्ड का संबंध राजस्थान की किस रियासत से था?**

(1) अलवर (2) उदयपुर
(3) जयपुर (4) जोधपुर (1)

व्याख्या–नीमूचणा किसान आंदोलन महाराजा जयसिंह अलवर के शासनकाल में हुआ था।

- 14 मई, 1925 को अलवर के किसानों ने जुर्माना बढ़ाने के विरोध में नीमूचणा गाँव में एक किसान सभा का आयोजन किया था।

☛ **जंगली सुअरों को मारने पर प्रतिबंध लगाने के कारण 1921 ई. में किस राज्य में किसान आन्दोलन हुआ था ?**

(1) बूंदी (2) अलवर
(3) सीकर (4) मेवाड़ (2)

नोट– *1921 ई. में अलवर के शासक महाराजा जयसिंह थे।*

☛ **शेखावाटी किसान आन्दोलन के दौरान शेखावाटी के पंचपाणों में निम्न में से कौनसा एक शामिल नहीं था?**

(1) नवलगढ़ (2) बिसाऊ
(3) मालासर (4) चिड़ावा (4)

व्याख्या–शेखावाटी के पांच ठिकाणे- बिसाऊ, डूंडलोद, मालासर, मण्डावा व नवलगढ़।

☛ **भगत आन्दोलन किसके द्वारा चलाया गया था?**

(1) गोविन्द गिरी (2) मोतीलाल तेजावत
(3) माणिक्यलाल वर्मा (4) भोगीलाल पांड्या (1)

☛ **नीमूचणा हत्याकाण्ड कब घटित हुआ?**

(1) 1925 ई. (2) 1926 ई.
(3) 1927 ई. (4) 1928 ई. (1)

व्याख्या–14 मई, 1925 को अलवर के किसानों ने जुर्माना बढ़ाने के विरोध में अलवर के नीमूचणा गाँव में एक किसान सभा का आयोजन किया था। इसमें लगभग 800 किसान नीमूचणा में इकट्ठे हुए। जिन पर अंग्रेज कमाण्डर छज्जू सिंह ने गोलियाँ चला दी।

☛ **नीमूचणा हत्याकाण्ड के बारे में किसने कहा कि यह जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड के समान था?**

(1) अंग्रेजों ने (2) विजय सिंह पथिक ने
(3) महात्मा गाँधी ने (4) राजेन्द्र प्रसाद ने (3)

☛ **किस किसान आंदोलन की चर्चा लंदन के 'हाउस ऑफ कॉमन' में हुई?**

(1) बिजौलिया किसान आंदोलन
(2) सीकर किसान आंदोलन
(3) बेगूं किसान आंदोलन
(4) अलवर किसान आंदोलन (2)

व्याख्या–कूदन गाँव का हत्याकाण्ड की चर्चा ब्रिटेन के सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में की गई थी।

☛ **सरदार हरलाल सिंह, नेतराम सिंह तथा पृथ्वी सिंह गोठड़ा का संबंध किस किसान आंदोलन से था?**

(1) सीकर किसान आंदोलन
(2) अलवर किसान आंदोलन
(3) बेगूं किसान आंदोलन
(4) बिजौलिया किसान आंदोलन (1)

व्याख्या–सीकर किसान आंदोलन जयपुर राज्य के बड़े ठिकानों में से एक सीकर में किसानों ने लगान वृद्धि का विरोध किया। सरदार हरलाल सिंह, नेताराम सिंह तथा पृथ्वीसिंह गोठड़ा इस आंदोलन के प्रमुख नेता थे। किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर गोलियाँ चली जिसकी गूँज लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स में हुई।

☛ **चिड़ावा में सेवा समिति का गठन किसने किया?**

(1) चडावल ठाकुर (2) मास्टर कालीचरण
(3) नेताराम सिंह (4) पृथ्वी सिंह (2)

व्याख्या–1912 में चिड़ावा में मास्टर कालीचरण शर्मा ने सेवा समिति का गठन किया।

☛ डाबड़ा हत्याकाण्ड कब हुआ?

(1) 1946 ई. में (2) 1947 ई. में

(3) 1948 ई. में (4) 1949 ई. में (2)

व्याख्या–डाबड़ा किसान आंदोलन 13 मार्च, 1947 को हुआ। डाबड़ा गाँव नागौर जिले में स्थित है।

☛ सम्प सभा की स्थापना किसने की?

(1) गोविन्द गुरु (2) मोतीलाल तेजावत

(3) विजय सिंह पथिक (4) रामनारायण चौधरी (1)

व्याख्या–सम्प सभा की स्थापना 1883 में गोविन्द गुरु द्वारा की गई थी।

- 1903 ई. में मानगढ़ पहाड़ी पर गोविन्द गुरु ने सम्प सभा का पहला अधिवेशन आयोजित किया था।
- सन् 1913 ई. में मानगढ़ पहाड़ी पर आश्विन सुदी पूर्णिमा को सम्प सभा का अधिवेशन हो रहा था तब अंग्रेज सेना ने पहाड़ी को चारों तरफ से घेरकर गोलियाँ चलाई थी। घटनास्थल पर ही हजारों आदिवासी मारे गये थे। सम्प सभा का अधिवेशन हर वर्ष अश्विन शुक्ल पूर्णिमा को आयोजित किया जाता था।

☛ मानगढ़ नरसंहार कब हुआ?

(1) 1983 ई. में (2) 1911 ई. में

(3) 1913 ई. में (4) 1917 ई. में (3)

व्याख्या–मानगढ़ नरसंहार 17 नवम्बर, 1913 ई. को हुआ।

☛ आदिवासियों का दूसरा मसीहा नाम से कौन प्रसिद्ध है?

(1) मोतीलाल तेजावत (2) गोविन्द गुरु

(3) रामनारायण चौधरी (4) माणिक्यलाल वर्मा (1)

व्याख्या–मोतीलाल तेजावत का जन्म 1896 ई. को कोल्यारी नामक ग्राम, उदयपुर, राजस्थान में हुआ था। मोतीलाल तेजावत जाति से बनिये थे।

- मोतीलाल तेजावत को 'आदिवासियों का दूसरा मसीहा' कहा जाता है।
- तेजावत जी ने सर्वप्रथम चित्तौड़ जिले के मातृकुण्डियां नामक स्थान पर सन् 1921 में एकी आंदोलन का सूत्रपात किया।
- 5 दिसम्बर, 1963 को मोतीलाल तेजावत का निधन हो गया।
- मोतीलाल तेजावत ने 'वनवासी संघ' की स्थापना की थी।

☛ 'मेवाड़ पुकार' 21 सूत्रीय मांग पत्र का संबंध किससे था?

(1) गोविन्द गुरु (2) मोतीलाल तेजावत

(3) रामनारायण चौधरी (4) माणिक्यलाल वर्मा (2)

☛ क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट के तहत 12 वर्ष से अधिक आयु के मीणा जाति के लोगों को प्रतिदिन समीप के थाने में अपनी उपस्थिति देने के लिए पाबंद किया गया था। यह एक्ट भारत सरकार ने कब लागू किया?

(1) 1925 ई. में (2) 1924 ई. में

(3) 1923 ई. में (4) 1927 ई. में (2)

व्याख्या–क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा जनजातियों पर थोपा गया एक काला कानून था। जिसके तहत जनजातियों के संपूर्ण समुदाय को अपराधियों की श्रेणी में रखा गया और उनको अपने नजदीकी पुलिस थाने में रोजाना हाजरी देनी पड़ती थी। इसमें बच्चे, बूढ़े और जवान किसी को भी नहीं छोड़ा गया था।

☛ अभिन्न हरि, तनसुख लाल, के सहयोग से पं. नयनूराम शर्मा में किस प्रजामण्डल की स्थापन की ?

(1) मेवाड़ प्रजामण्डल (2) शाहपुरा प्रजामण्डल

(3) बीकानेर प्रजामण्डल (4) हाड़ौती प्रजामण्डल (4)

☛ जरायम पेशा कानून कब समाप्त हुआ?

(1) 1951 ई. में (2) 1952 ई. में

(3) 1953 ई. में (4) 1954 ई. में (2)

व्याख्या–क्रिमिनल ट्राइब्स अधिनियम के अंतर्गत सन् 1930 में जयपुर राज्य में जरायम पेशा कानून बनाया गया था।

☛ मारवाड़ प्रजामंडल की स्थापना कब हुई?

(1) 1931 ई. में (2) 1932 ई. में

(3) 1933 ई. में (4) 1934 ई. में (4)

व्याख्या–मारवाड़ प्रजामंडल की स्थापना 1934 ई. में की गई थी।

- 1934 ई. को मारवाड़ प्रजामण्डल का अध्यक्ष भंवरलाल सर्राफ को बनाया गया।

☛ मारवाड़ लोक परिषद का गठन कब हुआ?

(1) 1937 ई. में (2) 1938 ई. में

(3) 1939 ई. में (4) 1940 ई. में (2)

व्याख्या–16 मई, 1938 को रणछोड़दास गट्टानी के नेतृत्व में मारवाड़ लोक परिषद का गठन किया गया।

- रणछोड़ दास गट्टानी को परिषद का अध्यक्ष और अभयमल जैन को महासचिव बनाया गया।
- अध्यक्षता–'रणछोड़दास गट्टानी'

☛ हाड़ौती प्रजामंडल की स्थापना कब हुई?

(1) 1931 ई. में (2) 1932 ई. में

(3) 1933 ई. (4) 1934 ई. में (4)

व्याख्या–पं. नयनूराम शर्मा ने 1934 में हाड़ौती प्रजामंडल की स्थापना की। परन्तु महाराजा उम्मेद सिंह द्वितीय की रूढ़िवादी नीति के कारण यह संस्था निष्क्रिय हो गई।

☛ **जयपुर प्रजामण्डल की स्थापना कब हुई?**
(1) 1930 ई. में (2) 1929 ई. में
(3) 1931 ई. में (4) 1932 ई. में (3)

व्याख्या–1931 में जयपुर प्रजामंडल की स्थापना अर्जुन लाल सेठी और कपूरचंद पाटनी ने की थी।
- 1936 ई. में जयपुर प्रजामंडल का पुनर्गठन हुआ।
- 1938 में प्रजामण्डल का पहला अधिवेशन जयपुर में हुआ। इसके अध्यक्ष सेठ जमनालाल बजाज थे।
- 1940 ई. में हीरालाल शास्त्री जयपुर प्रजामंडल के अध्यक्ष बने।
- 1942 ई. में भारत छोड़ो आंदोलन के समय जयपुर के प्रधानमंत्री मिर्जा इस्माइल ने हीरालाल शास्त्री के साथ जैंटलमैन एग्रीमेंट किया था।
- जयपुर प्रजामण्डल राजस्थान का पहला प्रजामण्डल था।

☛ **जयपुर प्रजामण्डल के पहले अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की?**
(1) जमनालाल बजाज (2) हीरालाल शास्त्री
(3) माणिक्यलाल वर्मा (4) जयनारायण व्यास (1)

व्याख्या–1944 ई. में जानकी लाल बजाज ने जयपुर प्रजामण्डल की अध्यक्षता की थी।

☛ **मेवाड़ प्रजामण्डल की स्थापना कब हुई?**
(1) 24 अप्रेल, 1937 (2) 24 अप्रेल, 1939
(3) 24 अप्रेल, 1938 (4) 24 अप्रेल, 1940 (3)

व्याख्या–24 अप्रेल, 1938 को उदयपुर में बलवंत सिंह मेहता की अध्यक्षता में मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना हुई।
- मेवाड़ प्रजामंडल के अध्यक्ष – बलवंत सिंह मेहता
- मेवाड़ प्रजामंडल की स्थापना का श्रेय माणिक्यलाल वर्मा को जाता है।
- 25-26 नवम्बर, 1941 में मेवाड़ प्रजामंडल में उदयपुर में शाहपुरा हवेली में हुआ। इस अधिवेशन का उद्घाटन आचार्य जे.बी. कृपलानी ने किया। और श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित ने इस अधिवेशन में भाग लिया।

☛ **बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना कब हुई?**
(1) 1935 ई. में (2) 1936 ई. में
(3) 1937 ई. में (4) 1938 ई. में (2)

व्याख्या–बीकानेर प्रजामंडल की स्थापना मघाराम वैद्य व लक्ष्मणदास स्वामी ने कलकत्ता में 4 अक्टूबर, 1936 को हुई। इसके प्रथम अध्यक्ष मघाराम वैद्य थे।
- राजस्थान का ऐसा प्रजामंडल जिसकी स्थापना राजस्थान से बाहर कलकत्ता में हुई।
- 30 जून, 1946 को रायसिंह नगर में प्रजामंडल का खुला अधिवेशन आयोजित किया गया।
- बीकानेर प्रजामंडल आंदोलन में राजनैतिक गतिविधियाँ बढ़ाने के लिए रावतमल पारीक के घर 22 जुलाई, 1942 को रघुवर दयाल गोयल के नेतृत्व में बीकानेर राज्य प्रजामंडल (परिषद) की स्थापना की गई।
- इसका अध्यक्ष रघुवरदयाल गोयल को बनाया गया।
- रघुवर दयाल गोयल ने 30 जुलाई, 1942 को बीकानेर छोड़ दिया।
- गोयल के राज्य से निर्वासन के पश्चात वकील रामनारायण आचार्य को प्रजामंडल (परिषद) का अध्यक्ष बना दिया गया।

☛ **कोटा प्रजामंडल के अध्यक्ष कौन थे?**
(1) माणिक्यलाल वर्मा (2) पं. नयनूराम
(3) जयनारायण व्यास (4) भंवरलाल (2)

व्याख्या–पंडित नयनूराम शर्मा ने पंडित अभिन्न हरि के साथ मिलकर 1939 में कोटा पं. नयनूराम शर्मा की अध्यक्षता में राज्य प्रजामंडल की स्थापना की।
- कोटा प्रजामंडल के अध्यक्ष श्री नयनूराम शर्मा बने।
- 1939 ई. में मांगरोल (बाराँ) पं. नयनूराम की अध्यक्षता में कोटा प्रजामण्डल का अधिवेशन हुआ।
- श्रीमती शारदा भार्गव की अध्यक्षता में एक महिला सम्मेलन का आयोजन हुआ।

☛ **गोविन्द गुरु का जन्म किस परिवार में हुआ?**
(1) जाट (2) जैन
(3) बंजारा (4) माली (3)

व्याख्या–गोविन्द गुरु का जन्म 20 दिसम्बर, 1858 को डूँगरपुर जिले के बांसिया (बेड़सा) गाँव में गौर जाति के एक बंजारा परिवार में हुआ था।
- गोविन्द गुरु ने भगत आंदोलन 1890 के दशक में शुरू किया था।
- आंदोलन में अग्नि देवता को प्रतीक माना गया था।
- 1883 ई. में सम्प सभा की स्थापना की।
- सम्प राजधानी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है "संयुक्त या प्रेम या बधुंत्व"।

☛ **अर्जुनलाल सेठी का जन्म कहाँ हुआ?**
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) उदयपुर (4) कोटा (1)

व्याख्या–अर्जुनलाल सेठी का जन्म 9 सितम्बर, 1880 में जयपुर में हुआ। सेठी ने जयपुर में सन् 1905 में जैन शिक्षा प्रचारक समिति की स्थापना की।

- वर्धमान विद्यालय की स्थापना की।
- अंग्रेजी, पारसी, संस्कृत अरबी व पाली के विद्वान थे।
- अजमेर में रहते हुए अर्जुनलाल सेठी ने 'क्षुद्र मुक्ति' स्त्री मुक्ति, महेन्द्र कुमार आदि पुस्तकें लिखी थी।

☛ "चेतावणी रा चुंगट्या" नामक प्रसिद्ध सोरठे लिखे थे-
(1) केसरी सिंह बारहठ ने (2) अर्जुन लाल सेठी ने
(3) जोरावर सिंह बारहठ ने (4) राव भोपाल सिंह खरवा ने(1)

व्याख्या–चेतावनी रा चूंगटिया 1903 में ठाकुर केसरी सिंह बारहठ द्वारा रचित एक राष्ट्रवादी डिंगल कविता है। इसमें महाराणा फतेह सिंह को संबोधित करते हुए उन्हें मेवाड़ की परंपराओं को कायम रखने और दिल्ली दरबार में शामिल नहीं होने का आह्वान किया गया है।

☛ चेतावनी रा चूंगटया के माध्यम से केसरीसिंह बारहठ ने किस महाराणा को दिल्ली दरबार में भाग लेने से रोका?
(1) फतेह सिंह (2) राणा सांगा
(3) मानसिंह (4) उदय सिंह (1)

☛ विजय सिंह पथिक का वास्तविक नाम क्या था?
(1) नरेन्द्र (2) गोपाल सिंह
(3) भूप सिंह (4) रासबिहारी (3)

व्याख्या–विजय सिंह पथिक का जन्म का नाम भूपसिंह गुर्जर था लेकिन उन्होंने 1915 में लाहोर षडयन्त्र मामले में फंसाए जाने के बाद इसे बदलकर "विजय सिंह पथिक" कर लिया।

- 1920 में पथिक जी के प्रयासों से अजमेर में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना हुई।

☛ राजस्थान सेवा संघ की स्थापना कब हुई?
(1) 1918 ई. में (2) 1915 ई. में
(3) 1921 ई. में (4) 1919 ई. में (4)

व्याख्या–राजस्थान सेवा संघ की स्थापना 1919 ई. में केसरीसिंह बारहठ ने वर्धा में की।

☛ दामोदर दास राठी का जन्म कहाँ हुआ ?
(1) सुमेरपुर (पाली) (2) घाणेराव (पाली)
(3) भोपालगढ़ (जोधपुर) (4) पोकरण (जैसलमेर) (4)

व्याख्या–प्रथम महायुद्ध के दौरान रास बिहारी बोस व राजा महेन्द्र प्रताप ने सारे देश में क्रांति की योजना बनाई थी और 21 फरवरी 1915 के दिन उसके लिए निश्चित किया था। राजस्थान में अजमेर, नसीराबाद की छावनी पर कब्जा करने की जिम्मेदारी खरवा के राव गोपाल सिंह व भूपसिंह को दी गई। इस योजना के लिए आर्थिक सहायता दामोदर दास राठी ने की थी।

☛ ब्यावर में आर्य समाज की नींव किसने रखी थी ?
(1) दामोदर दास राठी (2) गोपाल सिंह खरवा
(3) प्रताप सिंह (4) विजय सिंह पथिक (1)

व्याख्या–आर्य समाज की नींव सन् 1921 में ब्यावर में दामोदर दास राठी ने रखी।

☛ चांदनी चौक में लार्ड हार्डिंग पर बम फेंकने वाले रासबिहारी बोस के साथ कौन था?
(1) प्रताप सिंह (2) जोरावर सिंह
(3) गोपाल सिंह (4) विजय सिंह (2)

व्याख्या–जोरावर सिंह ठाकुर केसरी सिंह के छोटे भाई व अमर शहीद प्रताप सिंह के चाचा थे।

☛ लार्ड हार्डिंग पर बम फेंकने के बाद 27 वर्षों तक भूमिगत कौन रहे?
(1) जोरावर सिंह (2) प्रताप सिंह
(3) केसरी सिंह (4) गोपाल सिंह (1)

व्याख्या–गिरफ्तारी से बचने के लिए 'अमरदास बैरागी' नाम रख लिया। जोरावर सिंह को पकड़ने के लिए बिहार व कोटा सरकार ने भारी इनाम की घोषणा की थी।

☛ प्रताप सिंह बारहठ की मृत्यु किस जेल में हुई?
(1) बरेली (2) तिहाड़
(3) टॉडगढ़ (4) सिवाना (1)

☛ विजय सिंह पथिक व गोपाल सिंह को किस जेल में नजरबंद किया गया?
(1) बरेली (2) टॉडगढ़
(3) तिहाड़ (4) सिवाणा (2)

व्याख्या–गोपाल सिंह टॉडगढ़ से लापता हो जाने के बाद सलेमाबाद से वापस पकड़कर तिहाड़ जेल में भेज दिया गया।

☛ भगत आंदोलन ..... द्वारा चलाया गया–
(1) मोतीलाल तेजावत (2) गोविन्द गुरु
(3) राव गोपाल सिंह खरवा (4) भोगीलाल पांडया (2)

व्याख्या–मोतीलाल तेजावत का संबंध एकी आंदोलन से था।

☛ कुंवर प्रतापसिंह के पिता का नाम क्या था?
(1) केसरी सिंह बारहठ (2) जोरावर सिंह बारहठ
(3) रासबिहारी (4) सुजान सिंह बारहठ (1)

व्याख्या–कुंवर प्रताप ने रास बिहारी बोस के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया था। प्रताप के जोधपुर के परिचित आसानाडा स्टेशन मास्टर ने अपनत्व का ठोंग रचते हुए इन्हें गिरफ्तार करवा दिया।

- बरेली जेल में कठोर यातनाओं के बावजूद अपने साथियों के बारे में नहीं बताया। इनके धैर्य और कष्ट सहिष्णुता के आगे सी.आई.डी. डायरेक्टर सर चार्ल्स क्लीवलैण्ड भी चकरा गए।

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- *Rajasthanclasses.in*

Rajasthanclasses.in

हर भर्ती की न्यूज सबसे पहले..

यहां उपलब्ध रहेगी 👇👇

Latest News : Get Link

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए

गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇

Google

rajasthanclasses.in

Telegram चैनल ज्वॉइन करें

YouTube पर ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

Click Here : Get More PDF